अभ्यास पत्रक

पाठ – मनुष्यता

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

1. काव्यांश पढ़िए और उत्तर दीजिए – (3 अंक)

"वही पशु प्रवृत्ति है कि आप-आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।"

1. कवि ने 'पशु प्रवृत्ति' से क्या तात्पर्य निकाला है?

उत्तर - .....
.....

2. मनुष्यत्व की सच्ची पहचान क्या है?

उत्तर - .....
.....

3. इन पंक्तियों में कवि ने क्या संदेश दिया है?

उत्तर - .....
.....

2. Assertion-Reason आधारित प्रश्न – (2x1=2 अंक)

4. **कथन:** मनुष्य वही है जो दूसरों के हित में जीवन जिए।
कारण: केवल अपने लिए जीना, पशु-समान प्रवृत्ति है।
(क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
(ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

5. **कथन:** सहानुभूति मनुष्य की सबसे बड़ी सम्पत्ति है।
कारण: बुद्ध जैसे महापुरुष भी दया और करुणा से महान बने।
(क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
(ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

3. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) – (5x1=5 अंक)

6. "मनुष्यता" कविता के रचयिता कौन हैं?
(क) रामधारी सिंह दिनकर (ख) भवानी प्रसाद मिश्र
(ग) मैथिलीशरण गुप्त (घ) सुभद्राकुमारी चौहान

7. कवि के अनुसार 'उसी उदार की कीर्ति' किसमें कूजती है?
(क) नदियों में (ख) तालाब में (ग) सजीव स्मृतियों में (घ) लोकगीतों में

8. दधीचि ने किसके लिए अपने शरीर की हड्डियाँ दान कीं?
(क) असुरों के लिए (ख) वज्र निर्माण के लिए
(ग) तपस्या के लिए (घ) चर्म निर्माण के लिए

9. "मनुष्य-मात्र बंधु हैं" — इस कथन में किस भावना को प्रमुखता दी गई है?
(क) भक्ति (ख) राष्ट्रीयता (ग) आत्मीयता (घ) कठोरता

10. 'मनुष्यता' कविता किस काव्य संकलन से ली गई है?
(क) भारत भारती (ख) साकेत (ग) यशोधरा (घ) जयद्रथ वध

eyarchive

4. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)

11. कवि ने किस प्रकार की मृत्यु को 'सुमृत्यु' कहा है?

उत्तर - .....

.....

.....

12. कवि ने मनुष्यता के उदाहरण के रूप में किन महापुरुषों का उल्लेख किया है?

उत्तर - .....

.....

.....

13. सहानुभूति को कवि ने महाविभूति क्यों कहा है?

उत्तर - .....

.....

.....

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (4 अंक) *(उत्तर 100–120 शब्दों में दीजिए)*

14. "वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे" — इस पंक्ति के आलोक में मनुष्य की सच्ची पहचान स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

6. निबंधात्मक प्रश्न – (5 अंक) *(उत्तर 160–180 शब्दों में दीजिए)*

15. "मनुष्यता कविता हमें त्याग, परोपकार और सह-अस्तित्व का संदेश देती है" - कथन की पुष्टि उदाहरण सहित कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी

1. केवल अपने लिए जीना, स्वार्थी होना – यही पशु प्रवृत्ति है।
2. जो दूसरों के लिए जीए और अपने स्वार्थ से ऊपर उठे वही सच्चा मनुष्य है।
3. मनुष्यता का मूल उद्देश्य दूसरों की सेवा और कल्याण में है।
4. (क)
5. (क)
6. (ग)
7. (ग)
8. (ख)
9. (ग)
10. (क)
11. वह मृत्यु जो परोपकार करते हुए हो — ऐसी मृत्यु को 'सुमृत्यु' कहा गया है।
12. दधीचि, कर्ण, राजा शिबि, रंतिदेव, महात्मा बुद्ध जैसे महापुरुषों का उल्लेख हुआ है।
13. क्योंकि सहानुभूति से ही परोपकार की भावना उत्पन्न होती है और यह मनुष्यता का आधार है।

14. कविता में कवि कहते हैं कि सच्चा मनुष्य वही है जो अपने जीवन को दूसरों की सेवा और भलाई के लिए समर्पित कर देता है। स्वार्थी जीवन पशुवत है। दधीचि, कर्ण, रंतिदेव जैसे महापुरुषों ने अपने शरीर तक का त्याग दूसरों के कल्याण के लिए किया। कवि मानते हैं कि मनुष्य वही है जो दुःखियों की पीड़ा में सहभागी हो, ज़रूरतमंदों की मदद करे, समाज की भलाई के लिए जिए और मरे।

15. 'मनुष्यता' कविता के माध्यम से कवि मैथिलीशरण गुप्त हमें बताते हैं कि मनुष्य होने का तात्पर्य केवल जन्म लेना नहीं, बल्कि अपने जीवन को मानवता के लिए समर्पित करना है। इस कविता में दधीचि, कर्ण, राजा शिबि और महात्मा बुद्ध जैसे महापुरुषों के उदाहरण दिए गए हैं जिन्होंने अपने शरीर, प्राण और सुखों का त्याग दूसरों के लिए किया। कवि ने यह स्पष्ट किया है कि सच्चा मानव वही है जो सहानुभूति रखता हो, आत्मीयता से भरा हो और अपने जीवन का उपयोग परोपकार के लिए करता हो। वह न तो घमण्ड करता है, न ही भेदभाव। कविता का संदेश है – परस्पर सहयोग, एकता और संवेदनशीलता ही मनुष्यता के मूल स्तंभ हैं। यदि कोई इन मूल्यों के लिए जिए और मरे, तो वही सच्चा मनुष्य है।